Topic : भगतसिंह Date :

Class : 29

भगतसिंह का सामान्य परिचय

जन्म - 23/27 सितम्बर 1907 पंजाब प्रांत के लायलपुर जिले के बंगा नामक स्थान पर।
पिता - किशन सिंह
माता - विद्यावती देवी
चाचा - अजीत सिंह, स्वर्णसिंह

- जलियाँबाग हत्याकांड ने बालक भगतसिंह पर गहरा प्रभाव डाला।
- इन्होंने लाहौर के डी.ए.वी.(DAV) कॉलेज में अध्ययन किया।

चौरी-चौरा कांड :- 5 फरवरी 1922 को संयुक्त प्रांत के गोरखपुर जिले में चौरी-चौरा नामक स्थान पर कांग्रेस व खिलाफ़त आंदोलन के जूलुस पर गोली चलाए की घटना से आहत जनता ने थाने मे आग लगा दी। इस गतिविधियों से आहत होकर गांधीजी ने सामूहिक सत्याग्रह व असहयोग आंदोलन स्थगित करने का प्रस्ताव पारित किया।

- वापस लेने की घटना से भगतसिंह में निराशा पैदा हुई
- भगतसिंह गांधीजी के आदर्शों से भी प्रेरित थे।
- हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना Oct-1924 मे कानपुर में रामप्रसाद बिस्मिल, योगेश चटर्जी और शचीन्द्र सान्याल ने की थी।

Topic :

Date :

Class :

काकोरी क्रांति/घटना

- हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त 1925 को सहारनपुर/शाहजहापुर से लखनऊ लाइन पर काकोरी जाने वाली 8 डाउन ट्रेन को सफलता पूर्वक लूट लिया।

- इस संबंध में क्रान्तिकारियों को गिरफ्तार कर काकोरी षडयंत्र के तहत मुकदमा चलाया गया।

- इसके तहत रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, रोशन सिंह, राजेन्द्र लोहिडी को फांसी की सजा व सचीन्द्र सान्याल, सचीन्द्र बख्शी को काले पानी की सजा सुनाई गई।

पंजाब नौजवान सभा :- इस संगठन की स्थापना 1926 ई. में भगतसिंह एवं यशपाल द्वारा पंजाब मे क्रान्तिकारी गतिविधियों के लिए की थी।

- नौजवान सभा का नारा था 'हिन्दुस्तान जिन्दाबाद'।

- आगे चलकर HRA की चन्द्रशेखर आजाद व भगतसिंह ने 1928 मे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की।

- इस संगठन का मूल उद्देश्य देश के लिए समर्पित युवाओं को तैयार करना था।

Topic :

Date :

Class :

लाला लाजपतराय का निधन एवं भगतसिंह

- साइमन कमीशन का विरोध करते हुए लाला लाजपत राय की बर्बरता पूर्वक पीटने से 17 नवम्बर 1928 को इनका निधन हो गया।
- HSRA का पहला कार्य लाजपत राय की हत्या के आरोपी सहायक पुलिस अधीक्षक सांडर्स की हत्या करना था। क्योंकि भगतसिंह एव उनके साथी लाला लाजपतराय के प्रति अपार श्रद्धा रखते थे।
- 17 दिसंबर 1928 को लाहौर पुलिस स्टेशन पर भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, राजगुरु ने सांडर्स की हत्या कर दी।
- क्रान्तिकारी शहर छोड़कर भागने में सफल रहते है।

सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली बम कांड :- 8 April 1929

- HSRA के दो सदस्य बटुकेश्वर दत्त व भगतसिंह ने सेंट्रल असेंबली पर बम फेंका।
- उस समय पब्लिक सेफ्टी बिल एवं ट्रेड डिस्प्यूट बिल पर बहस चल रही थी।
- बम के साथ फेंके गए परचों का उद्देश्य किसी की जान लेना नही था, अपितु गूंगी बहरी सरकार के कानों तक अपनी आवाज पहुँचाना था।
- ब्रिटिश सरकार ने इन पर 'लाहौर षडयंत्र केस' चलाया।

Topic :

Date :

Class :

- भगतसिंह ने 'इंकलाब जिन्दाबाद' का नारा दिया।
- लाहौर षड्यंत्र केस के तहत् भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त के साथ अन्य सदस्यों पर मुकदमा चलाया।
- भगतसिंह, सुखदेव तथा राजगुरु पर मुकदमा चलाकर फाँसी की सजा सुनाई गई।
- 23 मार्च 1931 को भगतसिंह, सुखदेव तथा राजगुरु को फाँसी की सजा दे दी गई।

→ (Note)- फाँसी से पूर्व वे लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे।

- उन्होंने 'Why I am Atheist' (मैं नास्तिक क्यों हूँ) पुस्तक लिखी।

→ सुभाष चन्द्र बोस ने भगतसिंह के बारे मे कहा था कि "भगतसिंह जिंदाबाद या इंकलाब जिंदाबाद का एक ही अर्थ है।

ACADEMY